आधुनिक विश्व – II

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
4	आधुनिक विश्व–II	आत्म बोध, समालोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान	संदर्भ पुस्तक/इंटरनेट की सूचनाओं से अन्तर्क्रिया

अर्थ

औद्योगिक क्रांति ने सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तनों को प्रारम्भ किया जिनके चलते कृषक समाज आधुनिक औद्योगिक समाज में बदल गया। औद्योगिक देशों को अपने उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा अपने उत्पादों के लिए बाजार चाहिए था। इस कारण अविकसित देशों को उपनिवेश बनाने की आवश्यकता पड़ी जिसके परिणाम स्वरूप साम्राज्यवादी शक्तियों के बीच ईर्ष्या द्वेष उत्पन्न हुआ जो विश्व युद्धों का कारण बना।

औद्योगिक क्रांति के दौरान हुए नवीन और प्रौद्योगिकी परिवर्तन

कपड़ा उद्योग: बड़ी मात्रा में उत्पादन करने वाला पहला उद्योग था।

भाप इंजन

- 1764 में जेम्स वाट ने भाप इन्जिन के डिज़ाइन और दक्षता में चौगुना सुधार किया।

कोयला और लौह

- भाप इंजन, कोयला और लौह ने आधुनिक उद्योग की आधारशिला रखी।

परिवहन और संचार के साधन

- 1700 में पुल और सड़कों का निर्माण हुआ। शीघ्र ही इंगलैंड में भाप इंजन रेलवे ट्रैक पर माल को लाने ले जाने लगे तथा नहरी परिवहन में भी मदद मिलने लगी।
- टेलीग्राफ तथा टेलीफोन की खोज ने पूरे विश्व में संचार को सुगम बना दिया।

साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद का उत्थान

- साम्राज्यवाद का मुख्य लक्षण साम्राज्य के उपनिवेशों से सम्पति का दोहन करना था।

अफ्रीका में साम्राज्यवाद (1880 तथा 1910)

एशिया में साम्राज्यवाद

चीन अफीम युद्ध तथा इसकी हार

जापान मेजी पुर्नसंस्थापन 1868 में प्रारम्भ हुआ। दक्षिण तथा दक्षिण पूर्व एशिया में श्रीलंका पर पुर्तगाल का कब्जा था जो बाद में डच तथा उसके बाद ब्रिटेन के कब्जे में आ गया।

साम्राज्यवाद का प्रभाव

- इसने एशिया तथा अफ्रीका दोनों की सम्पत्ति का दोहन किया। इसके कच्चे माल तथा बाजार का शोषण किया गया औद्योगिक माल को यहां बेचा गया, जिससे उपनिवेशों की अर्थव्यवस्था नष्ट हुई। भारत में उन्होंने हमारी खुशहाल अर्थ-व्यवस्था को नष्ट कर दिया।

प्रथम विश्व युद्ध

प्रथम विश्व युद्ध के कारण

- एशिया तथा अफ्रीका के उपनिवेशों के बंटवारे से युद्ध के हालात पैदा हो गए।
- 19वीं सदी की अखिरी तिमाही में, जर्मनी इंगलैंड का मुख्य प्रतिद्वंदी बन गया।
- 1882 में जर्मनी, आस्ट्रिया और इटली ने अपनी विरोधी शक्तियों के खिलाफ आपसी सैन्य सहायता की संधि 'ट्रिपल एलांयस' पर हस्ताक्षर किए।
- 1907 में इंगलैंड, रूस और फ्रांस ने भी ट्रिपल एलांयस पर हस्ताक्षर किए।
- दो परस्पर शत्रुतापूर्ण विरोधी समूहों के उद्‌भव और यूरोपीय शक्तियों के बीच तनाव और संघर्ष ने यूरोप को दो गुटों में विभाजित कर दिया।

पान स्लाव आंदोलन और बाल्कन राजनीति

- आर्यडियूक फ्रासिंस फर्डिनेंड की हत्या युद्ध का तत्कालिक कारण बन गयी।

युद्ध की कार्य विधि 1914-1918

- प्रथम विश्व युद्ध अगस्त 1914 से शुरू हुआ और नवम्बर 1918 तक चलता रहा।
- वर्ष 1917 में दो महत्वपूर्ण घटनाएं हुई-अप्रैल में संयुक्त राज्य अमेरिका का युद्ध में भाग लेना तथा नवम्बर में रूस द्वारा युद्ध से अलग हो जाना

प्रथम विश्व युद्ध के तत्कालिक परिणाम

- प्रथम विश्व युद्ध को दुनिया की सबसे विनाशकारी और भयावह घटनाओं के रूप में देखा जाता है। निर्दोष नागरिकों सहित दस लाख लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा था।

लीग आफ नेशन्ज़

- यह 1920 में स्थापित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संगठन था जिसका मुख्यालय जिनेवा में रखा गया।
- इसका मुख्य उद्‌देश्य दुनिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखना, भविष्य में युद्ध रोकना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, अंतर्राष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने और सदस्य देशों में श्रमिकों की स्थिति में सुधार लाना था।

दो विश्व युद्धों के बीच दुनिया

- फासीवाद तथा नाजीवाद का उदय
- इंगलैंड और फ्रांस को भी गंभीर आर्थिक संकटों, अभावों और बेरोजगारी का सामना करना पड़ा।
- सोवियत संघ दुनिया के पहले समाजवादी देश के रूप में उभरा। केवल यही एक देश था जो 1929 की महामंदी से प्रभावित नहीं हुआ जबकि अन्य सभी पश्चिमी पूंजीवादी देशों को आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ा।
- प्रथम विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका 1929 में अत्यधिक उत्पादन के कारण सबसे खराब आर्थिक संकट से ग्रसित हुआ।
- जापान एशिया का एक मात्र देश था जो साम्राज्यवादी देश के रूप में उभरा। दो विश्व युद्धों के दौरान जापान एक मजबूत सैन्य शक्ति बन गया तथा इसने फासीवाद को समर्थन दिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध

- लीग ऑफ नेशन्स भविष्य में होने वाले युद्धों को रोकने के उद्देश्य में नाकाम रहा। 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया
- फासी व नाजी पार्टियों ने युद्ध को गौरवान्वित किया तथा अपने लोगों को वादा किया कि युद्ध के द्वारा वह अपने देशों का खोया हुआ गौरव वापिस ले आएंगे।
- ब्रिटेन और फ्रांस इत्यादि, पूंजीवादी देश होने के नाते सोवियत संघ के साम्यवाद का प्रसार रोकना चाहते थे। इसलिए इन्होने ईटली तथा जर्मनी के पक्ष में एक सुव्यवस्थित नीति अपनाई जिसे तुष्टीकरण की नीति कहा जाता है।

युद्ध का परिणाम

- सिंतबर 1945 को युद्ध समाप्त हुआ
- जर्मन यहूदियों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें यंत्रणा शिवरों में भेजा गया
- जापानी शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए जिससे यह शहर लगभग पूरी तरह नष्ट हो गए।
- संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ दो महा-शक्तियों के रूप मे उभरे।
- अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा बनाना एक मुख्य उद्देश्य बन गया

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. परिवहन तथा संचार में हुए विकास ने व्यापारी वर्ग को कैसे सहायता दी?

प्र. संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्य क्या थे?

प्र. प्रथम विश्व युद्ध के मुख्य कारणों का वर्णन कीजिए।